

18/04/20

दोकार सिस्कार उपास्थित।
 सिस्कार का जोरिय तामिल, कोठे
 हासिर नही। मगावक) एक शेक
 का इपकोकय विधा गया।
 उपा हीका शान पचायत का
 उलाव नही विधा गया
 ही शान पचायत का उलाव
 नही होने से इवेक जोकणीप
 नही होने से खमीज विधा
 जात ही मगावकी मसिक हुमा
 लेकर हासिर हासिर ही

(Signature)
 उपस्थित
 वाइमेर